नई दिल्ली में अमेरिकी लाइब्रेरी की सुखद यात्रा

हेमंत भटनागर

अमेरिकी लाइब्रेरी 1960 के दशक में (सबसे ऊपर) और मौजूदा लाइब्रेरी (ऊपर)। लाइब्रेरी में पहले की 3000 पुस्तकों के मुकाबले अब 16,000 पुस्तकें, 150 पत्रिकाएं और ऑनलाइन एवं सीडी-रॉम सामग्री उपलब्ध है।

रंजना भटनागर

नई दिल्ली में अमेरिकी लाइब्रेरी की शुरुआत एक विनम्र खामोशी के साथ हुई थी। जनता के लिए इसके दरवाजे सबसे पहले वर्ष 1946 में क्वींसवे पर खुले थे, जिसे अब जनपथ के नाम से जाना जाता है। तब इसका कोई औपचारिक सदस्य भी नहीं था और पढ़ने के लिए एक छोटा-सा कमरा होता था, जिसमें 24 लोग बैठ सकते थे। शुरुआत में लाइब्रेरी में तीन हजार किताबें थीं। वर्ष 1951 में लाइब्रेरी की सदस्यता शुरू की गई और सदस्यों को किताबें उधार भी दी जाने लगीं। गुजरते वक्त के साथ लाइब्रेरी का आकार बढ़ता गया, उसकी ख्याति बढ़ती गई और इसी के साथ ज्यादा जगह की जरूरत भी पड़ने लगी। इसी के चलते 1974 में इसका नया पता 24, कस्तूरबा गांधी मार्ग का अमेरिकन सेंटर हो गया। इस लाइब्रेरी को नब्बे के दशक में अमेरिकी सूचना संसाधन केंद्र के रूप में जाना जाने लगा था और हाल तक इसे इसी नाम से जाना जाता था। मुंबई में अमेरिकी लाइब्रेरी 1944 में, चेन्नै में 1947 में और कोलकाता में 1943 में खोली गई।

स्थापना के साठ साल बाद नई दिल्ली की लाइब्रेरी आज एक अत्याधुनिक लाइब्रेरी है। तीव्र गति से सूचनाएं प्राप्त करने के लिए यहां अत्याधुनिक प्रणालियां लगाई गई हैं। करीब दस हजार जर्नल्स तक तत्काल पहुंच बनाने के लिए ऑनलाइन प्रणालियां और सीडी-रॉम डैटाबेस स्थापित किया गया है। लाइब्रेरी में 16 हजार किताबें हैं और 150 पत्रिकाएं भी यहां आती हैं, जो कानून, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, व्यापार, अंतरराष्ट्रीय संबंध, शासन और अमेरिकी साहित्य जैसे विभिन्न विषयों पर होती हैं।

अमेरिकी लाइब्रेरी ने अपनी स्थापना की 60वीं जयंती मनाने के लिए नई दिल्ली में वर्ष 2006-07 के अकादमिक सत्र में कई तरह के कार्यक्रमों की योजना बनाई है। इस सिलसिले में ऑडियो पुस्तकें, विज्ञान कथाओं, खेल, कृषि जैव तकनीक, परमाणु ऊर्जा और अंग्रेजी विषय से संबंधित सामग्री के नए संग्रह लाए गए हैं। लाइब्रेरी अब शनिवार को भी खुली रहती है। समय है- दोपहर एक से शाम पांच बजे तक। सोमवार से शुक्रवार तक यह नियमित रूप से सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक खुली रहती है। लाइब्रेरी अब एक द्विस्तरीय सदस्यता योजना भी ऑफर कर रही है। ऐसे सदस्य जो इंटरनेट और माइक्रोसॉफ्ट एप्लिकेशन्स वाले वर्क स्टेशन का उपयोग करना चाहें, किताबें, सीडी-रॉम और वीडियो घर ले जाना चाहें, उनको मामूली से सालाना शुल्क पर गोल्ड कार्ड सदस्यता देने की योजना शुरू की गई है। जो लोग कभी-कभार कोई किताब या पत्र-पत्रिका पढ़ना या लाइब्रेरी में ही वीडियो देखना चाहें या किसी शोध संबंधी सुविधा का फायदा उठाना चाहें, वे बिना किसी शुल्क के लाइब्रेरी के सदस्य बन सकते हैं। उन गोल्ड कार्ड सदस्यों के लिए ऑडियो किताबों की सुविधा एक बड़ा आकर्षण है, जो दूर रहते हैं और किसी किताब को पढ़ने की बजाय उसे सुनना ज्यादा पसंद करते हैं। मैनेजमेंट विषय पर डीवीडी का एक नया अनूठा संग्रह मैनेजमेंट संस्थानों के अनुदेशकों और छात्रों को खासा आकर्षित कर रहा है।

जहां भारत और अमेरिका आज सूचना तकनीक को खासा महत्व दे रहे हैं, वहीं अमेरिकी लाइब्रेरी को इस बात का गर्व है कि वह अपने सदस्यों को, जो आंकड़े आदि वे चाहते हैं, तत्काल मुहैया करा देती है। फिर चाहे वह अमेरिकी कला और समाज से जुड़ा विषय हो या विश्व के किसी भी ताजा घटनाक्रम से जुड़ा मामला। आंकड़ों के अलावा यह लाइब्रेरी किताबों और लेखों पर विचार-विमर्श, साहित्यिक फिल्मों की स्क्रीनिंग और कार्यक्षमता में इजाफा करने वाले कार्यक्रमों का आयोजन भी करती है। चाहे कोई छात्र हो, शिक्षक हो या सरकारी कर्मचारी, शोधकर्ता, कारोबारी या कार्यरत पेशेवर- रेफरेंस लाइब्रेरियन की समर्पित और पेशेवर टीम सबको वीआईपी ट्रीटमेंट देती है। लाइब्रेरी का स्टाफ सदस्यों को न सिर्फ सलाह देता है, बल्कि शोध कार्यों में मदद के लिए संबंधित लेखों और किताबों की सूची भी मुहैया कराता है, ताकि अमेरिकी दूतावास द्वारा खरीदे गए एब्स्को, फैक्टिवा, गेलनेट, लेक्सिस-नेक्सस और प्रोक्वेस्ट जैसे डैटाबेस का अधिक से अधिक उपयोग किया जा सके। लाइब्रेरी ने 1946 से एक परंपरा निर्माता और आदर्श संस्थान के रूप में शानदार प्रतिष्ठा हासिल की है।

अमेरिकी लाइब्रेरी उन लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से वाकिफ है, जिनकी सूचना और शिक्षा तक पहुंच आसान नहीं है। वह ऐसे तबके के युवा लोगों तक ये सुविधाएं पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास करती है। इसका स्टाफ इस सिलसिले में स्कूलों और विश्वविद्यालयों का नियमित रूप से दौरा करता है और अक्सर शिक्षक अपनी कक्षा के छात्रों को लाइब्रेरी में लाने की व्यवस्था करते हैं। सूचना और शिक्षा के साधन मुहैया कराने के अलावा अमेरिकी लाइब्रेरी अमेरिका के लिए एक खिड़की का काम करती है। यह भारत और अमेरिका के विद्वानों के मिलन का केंद्र भी है। यह ऐतिहासिक लाइब्रेरी एक ऐसा खुशनुमा माहौल देती है, जहां गंभीर शोधकार्यों के साथ ही दोस्ती की कलियां भी खिलती हैं। लाइब्रेरी को उम्मीद है कि वह अगले 60 सालों में भी तालमेल के ऐसे ही सेतु बनाने में कामयाब होगी।

भारत में अमेरिकी लाइब्रेरियां

24, कस्तूरबा गांधी मार्ग
नई दिल्ली -110 001
फोन: 91-11-2331-4251, और 2331-6841
फैक्स: 91-11-2332-9499
ई-मेल: libdel@state.gov
http://newdelhi.usembassy.gov
निदेशक: रंजना भटनागर

38-ए, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
कोलकाता - 700 071
फोन: 91-33-2245-1211/18
फैक्स: 91-33-2245-2445
airccal@state.gov
http://calcutta.usconsulate.gov
निदेशक: सुशांत बैनर्जी

जेमिनी सर्कल,
चेन्नै - 600 006
फोन: 91-44-2811-2000
फैक्स: 91-44-2811-2053
ई-मेल: chennairefdesk@state.gov
http://chennai.usconsulate.gov
निदेशक: एम. के. जगदीश

4, न्यू मरीन लाइन्स,
मुम्बई - 400 020
फोन: 91-22-2262-4590 और 91-22-2262-4592
फैक्स: 91-22-2262-4599
ई-मेल: libref@state.gov
http://mumbai.usconsulate.gov
निदेशक: उषा सुनील